



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 3—नवम्बर 9, 2007 (कार्तिक 12, 1929)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3—NOVEMBER 9, 2007 (KARTIKA 12, 1929)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by
Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक
मुख्य, दिनांक 25 अक्टूबर 2007

एसबीडी क्र. 9/2007-08—एतदद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक डॉ. श्री नारायण बी. राव, 100, आर आर टॉवर्स, सी.ए.लेन, नामपल्ली, हैदराबाद-500001 को स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि अर्थात् दिनांक 1 नवम्बर, 2007 से 31 अक्टूबर, 2010 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

ओम प्रकाश भट्ट
अध्यक्ष

एसबीडी क्र. 10/2007-08—एतदद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्री गणेश सिंह राजूखेड़ी, गुलाटी रोड, मनवर, जिला धार, मध्यप्रदेश को स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि अर्थात् दिनांक 1 नवम्बर, 2007 से 31 अक्टूबर, 2010 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

ओम प्रकाश भट्ट
अध्यक्ष

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 2007

(चार्टर्ड एकाउंटेंट्स)

सं. 29-सीए/लॉ/डी-56/2007—चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिकल्पना यह अधिसूचित किया जाता है कि माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उक्त अधिनियम की धारा 21(6)(ग) के अनुसरण में, सिविल याचिका सं. 366/1994 में तारीख 30 मई, 1998 के आदेश के साथ पठित तारीख 20 जनवरी, 1998 के अपने निर्णय द्वारा यह आदेश दिया था कि श्री आर. श्रीनिवासन, चार्टर्ड एकाउंटेंट, एल-29/11, तृतीय तला, टीएनएचबी क्वार्टर्स सेन्ट्रल एवेन्यू, कोरातूर, चैनई-600080 (सदस्य सं. 19504) के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 के साथ पठित धारा 22 और उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची के भाग 1 के खण्ड (10) के अधीन वृत्तिक अवचार और पूर्वीकृत अधिनियम की धारा 22 के साथ पठित धारा 21 के अधीन 'अन्य अवचार' का भी दोषी पाए जाने के कारण उनका नाम छह मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। श्री आर. श्रीनिवासन का नाम 1 अगस्त, 1986 से 3 जून, 2007 तक की अवधि के दौरान सदस्यों के रजिस्टर में सम्मिलित नहीं था। तदनुसार, एवं द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री आर. श्रीनिवासन का नाम तारीख 1 दिसम्बर, 2007 से छह माह की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। उक्त अवधि के दौरान वह माननीय कर्नाटक

उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के निबंधनानुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में व्यवसाय नहीं करेंगे।

डा. अशोक हल्दया
सचिव

सं. 29सीए/लॉ/डी-176/2007--चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने उक्त अधिनियम की धारा 21(6)(ग) के अनुसरण में, चार्टर्ड एकाउंटेंट संदर्भ सं. 3/2005 में 23 जुलाई, 2007 के यह आदेश दिया है कि श्री आर. के. तायल, एफ.सी.ए., मैसर्स आर. के. तायल एंड एसेसिंट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट, फ्लैट सं. 2004, 4327/3, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002 (सदस्य सं. 84956) को चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 21 और धारा 22 के साथ पठित दूसरी अनुसूची के भाग 1 के खंड (5), (6), (7) और (8) के अन्तर्गत वृत्तिक अवचार का दोषी पाए जाने के कारण उनका नाम तीन मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदनुसार, एतदद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री आर. के. तायल का नाम तारीख 1 दिसम्बर, 2007 से तीन माह की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। उक्त अवधि के दौरान वह माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के निबंधनानुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में व्यवसाय नहीं करेंगे।

डा. अशोक हल्दया
सचिव

सं. 29सीए/लॉ/डी-178/2007--चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने उक्त अधिनियम की धारा 21(6)(ग) के अनुसरण में, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संदर्भ सं. 7/2005 में 7 अगस्त, 2007 के यह आदेश दिया है कि श्री मनोज कुमार सचदेवा, एफ.सी.ए., 108, सुनहरी बाग

अपार्टमेंट्स, सेक्टर-13, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 (सदस्य सं. 85586) को चार्टर्ड एकाउंटेंट अधिनियम, 1949 की धारा 21 के साथ पठित धारा 22 के अधीन “अन्य अवचार” का दोषी पाए जाने के कारण उनका नाम तीन मास की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदनुसार, एतदद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री मनोज कुमार सचदेवा का नाम तारीख 1 दिसम्बर, 2007 से तीन माह की अवधि 1 के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। उक्त अवधि के दौरान वह माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के निबंधनानुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में व्यवसाय नहीं करेंगे।

डा. अशोक हल्दया
सचिव

सं. 29सीए/लॉ/डी-183/2007--चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, 1988 के विनियम 18 के साथ पठित, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की परिषद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने उक्त अधिनियम की धारा 21(6)(ग) के अनुसरण में, चार्टर्ड एकाउंटेंट संदर्भ सं. 1/2006 में 7 अगस्त, 2007 के यह आदेश दिया है कि श्री दयाल सिंह, एफ.सी.ए., मैसर्स दयाल सिंह एंड कंपनी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, मकान सं. 67, दुकान सं. 9, सुभाष मार्केट, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली-110049 (सदस्य सं. 16036) को चार्टर्ड एकाउंटेंट्स अधिनियम, 1949 की द्वितीय अनुसूची के भाग 1 के खंड (7) के अन्तर्गत वृत्तिक अवचार तथा उक्त अधिनियम की धारा 21 के साथ पठित धारा 22 के अधीन “अन्य अवचार” का दोषी पाए जाने के कारण उनका नाम एक वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाए। तदनुसार, एतदद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री दयाल सिंह का नाम तारीख 1 दिसम्बर, 2007 से एक वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा। उक्त अवधि के दौरान वह माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के निबंधनानुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट के रूप में व्यवसाय नहीं करेंगे।

डा. अशोक हल्दया
सचिव

STATE BANK OF INDIA

Mumbai, the 25th October 2007

SBDNo. 9/2007-08.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of Sub Section (1) of Section 25 of State Bank of India (subsidiary Banks) Act 1959, the State Bank of India has, in consultation with Government of India and Reserve Bank of India nominated Dr. Sri Negi B. Rao, 100, R. R. Towers, CA Lane, Nampally, Hyderabad-500 001, as a director on the Board of Directors of State Bank of Travancore for a period of three years with effect from 1st November 2007 to 31st October 2010 (both days inclusive).

O.P.BHATT
Chairman

SBD No. 10/2007-08—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act 1959, the State of India has in consultations with Government of India and Reserve Bank of India nominated Shri Gajendra Singh Rajukhedi, Gulati Road, Manawar, District Dhar, Madhya Pradesh, as a Director on the Board of Director of State Bank of Hyderabad for a period of three years with effect from 1st November 2007 to 31st October 2010 (both days inclusive).

O.P. BHATT
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 29 October 2007

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No.29-CA/Law/D-56/2007.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants, Act, 1949 read with Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India that the Hon'ble High Court of Karnataka had, in pursuance of Section 21(6)(c) of the said Act, in Civil Petition No. 366/1994, ordered vide its judgement dated 20th January, 1998, read with order dated 30th May, 1998 that the name of Shri R. Srinivasan, Chartered accountant, L-29/11, IIIrd Floor, TNHB Quarters, Central Avenue, Korattur, Chennai-600080 (M. No. 19504) be removed from the Register of Members for a period of six months for having been found guilty of professional misconduct under Section 21 read with Section 22 of the Chartered Accountants Act, 1949 and clause (10) of Part 1 of the Seccond schedule to the said act and, also for "other misconduct" under Section 21 read with Section 22 of the aforesaid Act. Shri R. Srinivasan's name was not appearing in the Register of Members during the period from 1st August, 1986 to 3rd June, 2007. Accordingly, it is hereby informed that the name of the said Shri R. Srinivasan shall stand removed from the Register of Members for a period of six months w.e.f.

1st December, 2007. During that period he shall not practise as a Chartered Accountant in terms of the said order of the Hon'ble High Court of Karantaka.

ASHOK HALDIA
Secretary

No. 29-CA/Law/D-176/2007.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Regulation 18 of the Chartered Accountant Regulations, 1988, it is hereby notified by the Council of the Institute of Chartered Accountants of india that the Hon'ble High Court of Delhi has, in pursuance of Section 21(6) (c) of the said Act, in Chartered Accountant Reference No. 3/2005, ordered on 23rd July 2007 that the name of Shri R. K. Tayal, FCA of M/s R. K. Tayal & Associates, Chartered Accountants, Flat No. 2004, 4327/3, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002 (M. No. 84956) be removed from the register of Members for a period of three months for having been found guilty of professional misconduct falling within the meaning of clauses (5), (6), (7) and (8) of part 1 of the Second Schedule read with Sections 21 and 22 of the Chartered Accountants Act, 1949. Accordingly, it is hereby informed that the name of the said Shri R. K. Tayal shall stand removed from the Register of Members for a period of three months w.e.f. 1st December, 2007. During that period he shall not practice as a Chatered Accountant in terms of the said order of the Hon'ble High Court of Delhi.

ASHOK HALDIA
Secretary

No. 29-CA/Law/D-178/2007.—In excrise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act. 1949 read with Regulation 18 of the Chartered AccountantsRegulatios, 1988, it is hereby noticfed by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India that the Hon'ble High Court of Delhi has, in pursuance of Section on 21(6)(c) of the said Act, in Chartered Accountant Reference No. 7/2005. ordered on 7th August. 2007 that the name of Shri Manoj Kumar Sachdeva, FCA, 108, Sunehri Bagh Apartments, Sector 13, Rohini, New Delhi-110085 (M. No. 85586) be removed from the Register of Members for a period of three months for having been found guilty of "Other Misconduct" under Section 22 read with Section 21 of the Chartered Accountants Act. 1949. Accordingly, it is hereby informed that the name of the said Shri Manoj Kumar Sachdeva shall stand removed from the Register of Members for a period of three months w.e.f. 1st December, 2007. During that period he shall not practise as a Chartered Accountant in terms of the said order of the Hon'ble High Court of Delhi.

ASHOK HALDIA
Secretary

No.29-CA/Law/D-183/2007.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 read with Regulation 18 of the

Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India that the Hon'ble High Court of Delhi has, in pursuance of Section 21(6)(c) of the said Act, in Chartered Accountants Reference No. 1/2006, ordered on 7th August, 2007 that the name of Shri Dayal Singh, FCA M/s. Dayal Singh & Co. Chartered Accountants, H. No. 67, Shop No. 9, Subhash Market, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110049 (M.No. 16036) be removed from the Register of Members for a period of one year for having been found guilty of professional misconduct falling within the meaning of clause (71 of Part 1 of the Second

Schedule and "Other Misconduct" under Section 22 read with Section 21 of the Chartered Accountants Act, 1949. Accordingly, it is hereby informed that the name of the said Shri Dayal Singh shall stand removed from the Register of Members for a period of one year w.e.f. 1st December, 2007. During that period he shall not practise as a Chartered Accountant in terms of the said order of the Hon'ble High Court of Delhi.

ASHOK HALDIA
Secretary